



प्रतिध्वनि कला एवं
संस्कृति की

ISSN 2349 - 137X
UGC CARE-listed, Peer Reviewed Journal

आनन्द लोक

वर्ष-10, विशेषांक - राज कपूर, 2024
(जुलाई-दिसम्बर)





राज कपूर
लोक

राज कपूर

शताब्दी वर्ष विशेषांक

हिन्दी सिनेमा की वैश्विक लोकप्रियता और राज कपूर

सम्पादक

डॉ. मधु रानी शुक्ला

अतिथि सम्पादक

डॉ. मनीष कुमार मिश्रा

डॉ. निलुफ़र खोजाएवा

सौजन्य से

लाल बहादुर शास्त्री भारतीय केंद्र

भारतीय दूतावास

5, बुज़ बोजोर, सेंट-2 लेन, ताशकंद, उज्बेकिस्तान

अतिथि संपादक - मनोगत

लाल बहादुर शास्त्रीय भारतीय संस्कृति केंद्र (LBSCIC), ताशकंद एवं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज़, ताशकंद, उज़्बेकिस्तान के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, दिनांक 17 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन “हिन्दी सिनेमा की वैश्विक लोकप्रियता और राज कपूर” इस विषय पर आयोजित किया गया। राज कपूर शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह आयोजन हमारे लिए बड़ा महत्वपूर्ण था। उज़्बेकिस्तान समेत पूरे मध्य एशिया में राज कपूर की लोकप्रियता का कोई सानी नहीं है अतः इस आयोजन की सफलता को लेकर कोई आशंका हमारे मन में नहीं थी।

इस परिसंवाद में शामिल होने वाले सभी शोध आलेखों को “राज कपूर शताब्दी वर्ष विशेषांक” के रूप में भारत की प्रतिष्ठित यू.जी.सी. केयर लिस्टेड शोध पत्रिका “अनहद लोक” के माध्यम से प्रकाशित भी किया जा रहा है। पत्रिका की संपादक डॉ. मधुरानी शुक्ला जी का हृदय से आभार जो उन्होंने इस पत्रिका के इस विशेषांक के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की। हिन्दी, अंग्रेजी और उज़्बेकी भाषा में हमारे पास सौ से अधिक आलेख आए जिनमें से लगभग 40 आलेखों का चयन हम ने प्रकाशन हेतु किया। उज़्बेकी भाषा के चुने हुए कतिपय आलेखों को हिन्दी में अनुदित कर के प्रकाशित किया जा रहा है।

यह महत्वपूर्ण है कि प्रख्यात अभिनेता एवं निर्देशक राज कपूर के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह महती अकादमिक कार्य हम पूरा कर सके। हमें पूर्ण विश्वास है कि इन प्रपत्रों का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण अकादमिक दस्तावेज़ साबित होगा। राज कपूर से जुड़े शोध कार्यों के लिए भी अनहद लोक का यह अंक सहायक सिद्ध होगा।

आप सभी का हृदय से आभार।

अतिथि संपादक

डॉ. मनीष कुमार मिश्रा

डॉ. निलुफ़र खोजाएवा



मुझे यह जानकारी हार्दिक प्रसन्नता हुई कि लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केंद्र, ताशकंद एवं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज़, ताशकंद, उज़्बेकिस्तान के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, दिनांक 17 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन **“हिन्दी सिनेमा की वैश्विक लोकप्रियता और राज कपूर”** इस विषय पर हो रहा है। साथ ही साथ इस परिसंवाद में शामिल होने वाले सभी शोध आलेखों को **“राज कपूर शताब्दी वर्ष विशेषांक”** के रूप में भारत की प्रतिष्ठित यूजीसी केयर लिसटेड शोध पत्रिका **“अनहद लोक”** के माध्यम से प्रकाशित भी किया जा रहा है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है की प्रख्यात अभिनेता एवं निर्देशक राज कपूर के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह महती अकादमिक कार्य संपन्न हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है की इस परिसंवाद में आए प्रपत्रों से निश्चित ही हमारे शोधार्थियों एवं पाठकों के ज्ञान में वृद्धि होगी व इन प्रपत्रों का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण अकादमिक दस्तावेज़ साबित होगा।

मैं लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केंद्र, ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज़ एवं अनहद लोक शोध पत्रिका को उनके इस कार्य हेतु अपनी शुभ कामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(स्मिता पंत)

अनुक्रम

1. राज कपूर के सिनेमा में समसामयिक प्रासंगिक कथाएँ : भारत में सामाजिक परिवर्तन का प्रतिबिंब	डॉ. कल्पना प्रो. वंदना पूनिया	1
2. राज कपूर की फिल्मों का वैचारिक धरातल : सामाजिक यथार्थ रोमांस और आदर्शवाद का समन्वय	डॉ. आशुतोष वर्मा प्रकाश नारायण त्रिपाठी	5
3. श्री राज कपूर की फिल्मों में नवाचार	डॉ. दीप्ति	13
4. राज कपूर की फिल्मों की वैश्विक लोकप्रियता	डॉ. हर्षा त्रिवेदी	19
5. राज कपूर की फिल्मों में महिलाओं का चित्रण : सत्यम शिवम सुंदरम और राम तेरी गंगा मैली के संदर्भ में	डॉ. गुलज़बीन अख्तर	22
6. भारतीय सिनेमा के गीतों में व्यक्त विभिन्न भाव राज कपूर के विशेष संदर्भ में	डॉ. उषा दुबे	28
7. राज कपूर : भारतीय सिनेमा के शोमैन का जीवन परिचय और योगदान	गरिमा जोशी	35
8. राज कपूर और उज़्बेकिस्तान	डॉ. विजय पाटिल	37
9. राज कपूर की फिल्मों में सामाजिक सरोकार (फिल्म श्री 420, अनाड़ी तथा बूट पॉलिश के विशेष संदर्भ में)	श्रीमती सीमा तोमर नेहा राठी	41
10. राज कपूर की वैश्विक लोकप्रियता	डॉ. नवीन कुमार	50
11. राज कपूर के फिल्मों के माध्यम से हिंदी का प्रचार-प्रसार	कमोला रहमतजोनोवा	59
12. राज कपूर की फिल्मों में नारियों का चित्रण	प्रभात कुमार	62
13. राज कपूर के फिल्मों में संगीत की जादूगरी	प्रियंका ठाकुर	67
14. राज कपूर की फिल्मों में महिलाओं का वस्तुकरण और विरोधाभास : 'सत्यम शिवम सुन्दरम' के संदर्भ में	ज्योति शर्मा	71
15. राज कपूर की वैश्विक लोकप्रियता	नूरमतोवा जुबैदा दिलशाद किज़ी	76

16. राज कपूर का फिल्मी सफर	सोनाली शर्मा	80
17. भारतीय सिनेमा और समाजीकरण में राज कपूर का योगदान; आवारा, बूट पॉलिश और श्री 420 के विशेष सन्दर्भ में	डॉ. दानिश खान मोहम्मद आमिर बद्र	86
18. राज कपूर - फिल्मी सफर	वन्दना त्रिवेदी	94
19. राज कपूर का भक्त माहिनूर जी	प्रो. उल्फत मोहिबोवा	98
20. राज कपूर और उज्बेकिस्तान	शम्सिकामर तिलोवमुरोदोवा	101
21. राज कपूर के फिल्मी गीतों की प्रसिद्धि और प्रासंगिकता	डॉ. सुधा वी. गदग डॉ. बी. एस. हेमलता	103
22. “अमर कलाकार” राज कपूर की 100वीं जयंती	अहमदजोन कासिमोव	107
23. चार्ली चैप्लिन और राज कपूर	प्रीति उपाध्याय	112
24. राज कपूर : एक फ़िल्म निर्माता और निर्देशक के रूप में	डॉ. रीना सिंह	116
25. डिजिटल युग में शोमैन राज कपूर की फिल्मों की प्रासंगिकता	परमेश कुमार	122
26. राज कपूर की फिल्मों का संगीत	प्रभा लोढ़ा	127
27. चालीस से अस्सी दशक के चलचित्रों के नायक राज कपूर पर विभिन्न समालोचकों के निजी मत	डॉ. नवल पाल	133
28. राज कपूर की फिल्मों में संगीत - विविध आयाम	गायत्री जोशी	140
29. भारतीय सिनेमा के जीवंत कलाकार : राज कपूर	डॉ. मोटवानी संतोष	144
30. उज्बेक लोगों के पसंदीदा अभिनेता राज कपूर	उल्फत मुहिबोवा	149
31. Raj Kapoor : A timeless beacon of Indian Cinema with effervescent attitude (1924-1988)	Dr. Avkash Jadhav	152
32. The Ideology in the Films of Raj Kapoor : A Cinematic Vision of Indian Society	Dr. Swati R Joshi	154
33. The Art of Showmanship: Exploring Raj Kapoor's Legacy in Indian Cinema	Dr. Anuradha Shukla Arawal Shukla	157

34. Raj Kapoor : An Institution of Film Making	<i>Dr. Urvashi Sharma</i> <i>Dr. Lokesh Jain</i>	164
35. The Musical Legacy of Raj Kapoor's Films	<i>Ismatullaeva Mutabar Xushvaqt Qizi</i>	168
36. Raj Kapoor as a Global Villager : Special Reference to <i>Teesri Kasam</i>	<i>Parveen Kumar</i> <i>Dr. Manju Rani</i>	171
37. Global Popularity of Hindi Cinema &	<i>Raj Kapoor</i> <i>Vikram Singh</i>	176
38. From India to The Hispanic World : The Universal Appeal of Raj Kapoor's Cinema	<i>Rijvan</i>	185
39. Unveiling Patriarchy : The Films of Raj Kapoor	<i>Nutan Verma</i>	190
40. Negotiating Gendered Spaces : Feminist Readings of Agency and Sacrifice in Raj Kapoor's Select Cinema	<i>Sweta Kumari</i>	195
41. Gandhian influence on Raj Kapoor's films	<i>Prof. Dr. Hemali Sanghavi</i>	204
42. Unmasking Existence: An Analysis of Authentic Self in Raj Kapoor's <i>Mera Naam Joker</i>	<i>Rajnee Devi</i> <i>Prachi Shanti</i>	207
43. Gandhian influence on Raj Kapoor's films	<i>Prof. Dr. Hemali Sanghavi</i>	213
44. Raj Kapoor's Films as a Mirror to His Contemporary Indian Society : Aspirations and Frustrations	<i>Dr. Manisha Patil</i>	216
45. राज कपूर शताब्दी वर्ष और मध्य एशिया	<i>डॉ. मनीष कुमार मिश्रा</i> <i>डॉ. नीलूफर खोजाएवा</i>	223
46. राज कपूर की फिल्मों में सामाजिक मुद्दों का चित्रण : भारतीय समाज के बदलते परिप्रेक्ष्य का अध्ययन	<i>डॉ. प्रतिमा</i>	227
47. राजकपूर : हिंदी सिनेमा का वैश्विक चेहरा	<i>डॉ. धर्मेन्द्र प्रताप सिंह</i>	237
48. The Filmy Journey of Raj Kapoor	<i>Dr. Sonal V. Jariwala</i>	241



The Musical Legacy of Raj Kapoor's Films

Ismatullaeva Mutabar Xushvaqt qizi

*Hindi Teacher of the school of
"South Asian language and literature" at
Tashkent State University of Oriental Studies*

Raj Kapoor, a luminary in Indian cinema, is renowned not just for his heart-felt narratives and magnetic screen presence, but also for the unforgettable music that enriched his films. His movie soundtracks are distinguished by their enduring charm, deep emotional resonance and rich cultural tapestry, seamlessly integrated into each film's storyline.

The music in Raj Kapoor's films frequently formed the core of the cinematic journey. By teaming up with legendary composers like Shankar-Jaikishan, Laxmikant-Pyarelal, and R.D. Burman, Kapoor made sure that the musical compositions left a lasting impact on audiences long after the films ended. His deep insight into the emotional essence of the narratives meant that the songs often played a vital role in storytelling, adding to the emotional depth and strengthening the viewers' connection to the film.

Raj Kapoor's films boasted a unique feature in their versatile music, ranging from romantic ballads and soulful melodies to lively folk tunes and socially impactful anthems. Each song, carefully crafted, captured a wide array of human emotions and experiences, resonating with diverse audiences. Classic examples include "Awaara Hoon" from *Awaara*,

which blends sorrow with a philosophical touch, and "Pyaar Hua Iqrar Hua" from "Shree 420", reflecting the purity and passion of young love.

Furthermore, Raj Kapoor's music often reflected social themes and human conditions. His films conveyed the dreams, aspirations, and struggles of the common people, often mirrored in the songs. The heartfelt "Mera Joota Hai Japani" from "Shree 420" celebrated India's identity and spirit while achieving international acclaim, highlighting the universal appeal of Kapoor's music.

The remarkable vocal talents behind these iconic songs were just as significant. Renowned singers like Mukesh, Lata Mangeshkar and Mohammad Rafi brought a genuine and profound essence to the music. Mukesh, especially, became closely associated with Raj Kapoor's on-screen image, adeptly expressing the emotional subtleties of his characters with maximum impact.

Raj Kapoor's films are a rich repository of thematic depth, with several of his works prominently showcasing these themes:

1. Romance and Love :

Bobby (1973): A quintessential

teenage romance that turned into a cultural sensation with its depiction of youthful love.

2. Human Emotions and Relationships :

Awaara (1951) : This film delves into the intricate dynamics of family relationships and examines how upbringing shapes one's identity.

3. Social Commentary: "Boot Polish" (1954) :

The film highlights the hardships of poverty and the challenges faced by street children, advocating for self-sufficiency and dignity.

4. Patriotism and Nationalism :

Jagte Raho (1956) : Although primarily a social drama, this film also explores the hopes of a newly independent India.

5. Philosophy and Spiritualism:

Mera Naam Joker (1970): This movie contemplates life's philosophical aspects and the journey of an artist, delving into existential questions.

6. Joy and Celebration :

Shree 420 (1955): Despite its serious undertones, the film features moments of celebration and optimism, especially highlighted in the famous song "Mera Joota Hai Japani."

7. Nostalgia and Melancholy :

Barsaat (1949): This movie evokes nostalgia with its portrayal of a brief yet intense romance set against picturesque landscapes.

Raj Kapoor's films not only exhibit his exceptional storytelling abilities but also demonstrate his talent for intertwining profound themes with engaging entertain-

ment, making a lasting impression on Indian cinema. Here are some of his most iconic songs:

1. **"Mera Joota Hai Japani" - Shree 420 :** A renowned song symbolizing Indian pride and spirit.

2. **"Awaara Hoon" - Awaara :** This globally celebrated song embodies the core themes of the film. The movie Awaara (1951) is often lauded for having one of the finest soundtracks by Shankar-Jaikishan. The music of Awaara is legendary, with songs like "Awaara Hoon" becoming timeless classics, significantly contributing to the film's success and leaving a lasting legacy in Indian cinema.

3. **"Pyar Hua Ikrar Hua Hai" - Shree 420 :** A timeless romantic duet, beautifully set in the rain, capturing the essence of young love.

4. **"Jeena Yahan, Marna Yahan" - Mera Naam Joker:** A touching reflection on life and the transient nature of the stage, full of emotional depth.

5. **"Ghar Aaya Mera Pardesi" - Awaara :** Famous for its dream-like sequence and melodious composition.

6. **"Dil Ka Haal Sune Dilwala" - Shree 420 :** A light-hearted yet philosophical song that captures the essence of optimism and playfulness.

7. **"Main Aashiq Hoon Baharon Ka" - Aashiq :** A joyful romantic song that delights listeners with its charming melody.

8. **"Dost Dost Na Raha" - Sangam :** An evocative song about the pain of broken friendships and betrayal.

9. **“Hum Tujhse Mohabbat Kar Ke” - Aah :** A deeply emotional romantic ballad with profound and meaningful lyrics.

These songs are a testament to Raj Kapoor’s unparalleled ability to blend entertainment with significant themes, creating music that resonates across generations.

10. **“Jis Desh Mein Ganga Behti Hai” - Jis Desh Mein Ganga Behti Hai :** A patriotic song celebrated for its rich cultural significance.

These songs have timeless appeal and continue to strike a chord with audiences, showcasing an ideal fusion of music, lyrics, and Raj Kapoor’s charismatic presence.

Raj Kapoor, famed for his collaborative nature, worked with some of the most gifted music directors in the Indian film industry. Here are some notable music directors who collaborated with him:

1. **Shankar-Jaikishan :** Perhaps the most iconic partnership with Raj Kapoor, producing numerous hits for nearly all his major films, such as Awaara, Shree 420 and Sangam.
2. **Laxmikant-Pyarelal :** Provided the music for his film Bobby, which became legendary.
3. **Ravindra Jain :** Created the music for his film Ram Teri Ganga Maili, renowned for its melodious tracks.
4. **Kalyanji-Anandji :** Teamed up for the film Chhaila.
5. **R.D. Burman :** Composed the music for Dharam Karam, featuring Raj

Kapoor’s son, Randhir Kapoor, showcasing a distinctive musical style.

These collaborations resulted in music that not only enhanced the films but also left a lasting legacy in Indian cinema.

These collaborations produced some of Bollywood’s most iconic and impactful soundtracks, greatly enhancing the legacy of Raj Kapoor’s films.

In summary, the music in Raj Kapoor’s films goes beyond mere background accompaniment, serving as a crucial storytelling element that enhances the cinematic experience. This music exemplifies his visionary talent for blending narrative, emotion, and musical artistry. As a result, his films continue to captivate audiences across generations, solidifying the enduring musical legacy that Raj Kapoor established and treasured.

Raj Kapoor’s films stand out not just for their compelling narratives and charismatic performances but also for their profound integration of music. The harmonious blend of story and song elevates the cinematic experience, making the music an essential narrative component rather than mere background. This seamless integration showcases Raj Kapoor’s visionary ability to intertwine narrative, emotion, and music, leaving an indelible mark on Indian cinema. His collaborations with legendary music directors resulted in timeless soundtracks that continue to resonate with audiences, solidifying his legacy as a masterful filmmaker and a cultural icon. The music of Raj Kapoor’s films will forever be cherished, embodying the spirit and artistry that define his enduring legacy in Bollywood history.

